विद्या विकास समिति, झारखण्ड

निबंधन संख्या : 927/08–09 दूरभाष : 0651–3512271

जनजातिय शिक्षा समिति

निबंधन संख्या : 76/06–07

वनांचल शिक्षा समिति

निबंधन संख्या : 928/08–09

(विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध)

शुक्ला कॉलोनी, हिनू, पत्रा.–डोरण्डा, राँची–834002, E-mail: vvs.jharkhand@yahoo.com

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन-दुःखी अभावग्रस्त अपने बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।

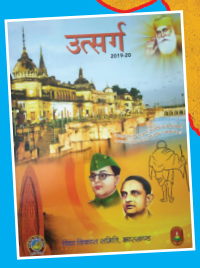

मान्यवर/मान्या,

सादर नमस्कार।

विश्व के सभी देश अपने देश के भविष्य निर्माण हेतु अपने छात्र-छात्राओं को उत्तमोत्तम शिक्षा के साथ ही देश, धर्म, संस्कृति एवं अपनी राष्ट्रीयता की शिक्षा अवश्य ही प्रदान करता है। भारत में शिक्षा प्राचीन समय से ही समाज आधारित और पोषित रही है। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली की प्रदेश ईकाई विद्या विकास समिति, झारखंड के द्वारा झारखंड प्रांत के नगरीय, ग्रामीण, पर्वतीय एवं जनजातीय क्षेत्र में श्रेष्ठ शिक्षा के साथ ही संस्कार, संस्कृति एवं राष्ट्रीयता की शिक्षा दी जा रही है। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान जो देश के अन्दर विभिन्न प्रांतीय समितियों के माध्यम से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के नाम से पूर्व प्राथमिक से +2 स्तर के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों का मार्गदर्शन करती है। राज्य के अन्दर विद्या विकास समिति, झारखंड, वनांचल शिक्षा समिति, जनजातीय शिक्षा समिति पंजीकृत संस्था के रूप में काम करती है। कम (अल्प) मानधन में हमारे आचार्य समाज संपोषित अपने विद्यालयों में साधनारत हैं एवं भैया-बहनों (छात्र-छात्राओं) को शिक्षित एवं संस्कारित कर रहे हैं।

विद्या भारती, झारखण्ड के संख्यात्मक आँकड़ें

समिति/प्रकल्प	विद्यालय संख्या	आचार्य संख्या	छात्र संख्या
विद्या विकास समिति, झारखण्ड, वनांचल शिक्षा समिति, जनजातीय शिक्षा समिति	234	3843	1,11,689
सरस्वती शिक्षा केन्द्र	675	680	17579
सरस्वती संस्कार केन्द्र	298	305	7231
कुल	1207	4828	1,36,499

सेवा ही संकल्प - हमारा प्रकल्प

1. **बिन्देश्वरी लाल साहू सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रायडीह गुमला (जनजातीय छात्रवास)**
2. **प्रिय अंजली सरस्वती शिशु मंदिर, सिटिकबोना, दुमका**

एकल विद्यालय - समाज संभाले

समाज के सहयोग से राज्य के अंदर सरस्वती शिक्षा केन्द्र के नाम से 675 एकल विद्यालय संचालित है। एक विद्यालय का मासिक व्यय रुपये 12000-15000 मात्र आता है। सुदूर जनजातीय क्षेत्र में यह विद्यालय ज्ञान और संस्कार की ज्योति निरंतर जला रहा है।

चलो जलाए दीप वहाँ, जहाँ अभी भी अंधेरा है।

हमारा संस्कार केन्द्र

नगरीय क्षेत्र के झुग्गी झोपड़ियों में संस्कार केन्द्र के माध्यम से शिक्षा और संस्कार देने का कार्य किया जाता है। प्रांत के अंदर 298 केन्द्र संचालित है। संस्कार केन्द्र के माध्यम से समाज के शोषित और वंचित बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

समाज खड़ा - कार्यक्रम बड़ा

* 2004 में राँची में बीस हजार (20000) जनजातीय बच्चों का अखिल भारतीय वनवासी जनजातीय बाल संगम आप जैसे दानदाताओं के सहयोग से ही एतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ था।
* 2020 में कोरोना महामारी से लोगों को बचाने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने वाली होम्योपैथ की दवा आर्सेनिक अलबम 30 का वितरण राज्य के एक लाख चालीस हजार (140000) परिवारों में वितरित किया गया। इस कार्य में हीरालाल नारसरिया मेमोरियल ट्रस्ट, राँची का अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। वर्ष 2021 में यह दवा वितरण का कार्य विद्या भारती क्षेत्र स्तर पर यानी बिहार और झारखंड दोनों प्रांत में चल रहा है। झारखंड में 274000 परिवारों तक विद्या भारती, झारखंड के द्वारा दवा वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में एक-एक लाख परिवारों में आर्सेनिक अलबम-30 दवा का वितरण हमारे विद्यालय के आचार्यों द्वारा समाज सर्वोपरि, राष्ट्रसर्वोपरि भाव के साथ किया गया।

समाज निर्माण हेतु, याचना हमारा कर्म - सहयोग आपका धर्म

वर्तमान स्थिति से सभी अवगत हैं ही। भारत सहित संपूर्ण विश्व कोविड 19 के द्वितीय लहर से आक्रांत है। हालाँकि इसकी भयावहता कम हुई है। तीसरे लहर की भी संभावना व्यक्त की जा रही है। परिणाम स्वरूप संपूर्ण विश्व एक अदृश्य संघातक शक्ति के भय और संकट की स्थिति से गुजर रहा है तथा इस महामारी से मुक्ति पाने के लिए पूरी शक्ति से संघर्ष कर रहा है। कोरोना संक्रमण का सबसे अधिक प्रभाव शिक्षा क्षेत्र पर पड़ा है। निजी विद्यालय एवं इसके शिक्षक मानो टूटकर बिखरने को हैं। विद्या विकास समिति झारखंड के अंतर्गत चलने वाले ग्रामीण, पर्वतीय एवं जनजातीय विद्यालय के आचार्य (शिक्षक) बहुत ही दयनीय आर्थिक स्थिति में जीवन रक्षण में लगे हैं। झारखंड प्रदेश में कक्षा 7वीं तक के विद्यालय तो मार्च 2020 के बाद खुले ही नहीं है। 8वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यालय एक-दो माह के लिए ही खुले।

अत: आचार्य/प्रधानाचार्य/कर्मचारी की आर्थिक स्थिति अत्यधिक खराब है, समाज आधारित, समाज संपोषित एवं समाज नियंत्रित इस संस्थान की रक्षा इस विषम स्थिति में समाज के सुधिजन द्वारा ही संभव है। समाज में शिक्षा एवं संस्कार तथा राष्ट्रीयता का अलख जगाने वाले ही आज संकट में है तो आइये हमसब मिलकर शिक्षा संस्थान एवं इसके कार्यकर्ताओं की रक्षा हेतु मुक्त हस्त से दान दें, सहयोग करें।

विद्या दान महादान

वैश्विक महामारी कोरोना के कारण ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्र में चलने वाले हमारे छोटे विद्यालय अधिक प्रभावित हुए हैं। अभिभावक शिक्षण शुल्क देने की स्थिति में नहीं हैं और विद्यालय आचार्यों का मानधन नहीं दे पा रहे हैं। विद्यालय के आचार्यों और कर्मचारियों को पिछले 12 महीनों से मानधन नहीं मिला है और वे दाने-दाने को मोहताज हैं। आपका छोटा सा सहयोग आचार्यों का सम्बल बन सकता है और गरीब जनजातीय एवं ग्रामीण बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा मिल सकती है और आपको मिल सकता है विद्या दान महादान का अक्षय पूण्य फल।

आंकड़े एक दृष्टि में

विद्या भारती के विद्यालय कश्मीर से कन्याकुमारी (उत्तर से दक्षिण) तक तथा गुजरात से असम (पश्चिम से पूर्व) तक गुणवत्तापूर्ण राष्ट्रभक्ति से युक्त शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। 35 लाख से अधिक बच्चे हैं, जिसमें 70 हजार के करीब मुस्लिम बच्चे तथा 10000 से अधिक ईसाई बच्चे भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

झारखंड के हमारे भैया बहन अपने राज्य के बोर्ड तथा CBSE बोर्ड में भी अपना स्थान बनाते रहे हैं। मुसाबनी के विकास महाकुड़ ने झारखंड बोर्ड में सत्र 2014-15 में पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर नेतरहाट विद्यालय का रिकार्ड भी तोड़ा था।

SGFI में विद्या भारती को एक राज्य का दर्जा प्राप्त है। हमारे भैया-बहन राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होते रहे हैं। विद्या भारती के खिलाड़ी भैया-बहनों के प्रदर्शन को देखते हुए SGFI ने फेयर प्ले अवार्ड, स्वच्छता अवार्ड से सम्मानित किया है। विद्या भारती ने खेल के प्रवेश सत्र 2007-08 में 19 पदक प्राप्त किये थे। अथक प्रयास और दिन-रात कड़ी मेहनत की फलस्वरूप सत्र 2018-19 में सीबीएसई स्कूल (311 पदक) को पीछे छोड़ते हुए विद्या भारती ने 386 पदक पर अपना कब्जा जमाया था। इस प्रदर्शन पर SGFI की ओर से विद्या भारती को अपग्रेडेशन अवार्ड दिया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाएँ अधिक है। कोविड 19 के आपद काल में ऐसे प्रतिभाशाली होनहार भैया-बहनों की शिक्षा व खेल अभ्यास दाँव पर है। यही अवसर है ऐसी प्रतिभाओं के भविष्य को संभालने की। इनकी शिक्षा और खेल अभ्यास नहीं छूटे, हमें इसके लिए चिंतनशील होना होगा।

आप क्या कर सकते हैं?

रु. 25000/- प्रतिमाह से लेकर 1,00,000/- प्रति माह के खर्च वाले ग्रामीण विद्यालय को गोद ले सकते है। इससे पाँच से दस आचार्यों का परिवार चलेगा और लगभग 100 से 200 बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिलेगी। यह सहयोग कम से कम 12 महीनों के लिए अपेक्षित होगा।

रु. 10,000/- प्रतिमाह का दान करके 10 बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा दे सकते हैं। यह सहयोग कम से कम 12 महीनों के लिए अपेक्षित होगा।

रु. 12,000/- प्रतिवर्ष खर्च करके एक बच्चे को पूरे साल की शिक्षा दे सकते हैं।

हमारी भारतीय परंपरा ''वसुधैव कुटुम्बकम'' और ''सर्वे भवन्तु सुखिन:'' की रही है। महर्षि दधिची, दानवीर कर्ण, सेठ भामासाह हमारे आदर्श हैं और हमारी प्रेरणा के स्रोत भी। जो भी संभव हो आप अपने बजट में शिक्षारूपी ईश्वरीय कार्य का भी स्थान दें। हमने आप पर विश्वास किया है कि आप हमें सहयोग करेंगे और समाज के अन्य सामर्थ्यवान महानुभावों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

हमारी संस्था विद्या विकास समिति, झारखण्ड को आयकर अधिनियम की धारा 80G की मान्यता प्राप्त है। आप दिए गये सहयोग राशि पर आयकर में छूट ले सकेंगे।

आप अपना सहयोग राशि हमारी संस्था के बैंक अकाउंट में जमा करा सकते है।

VIDYA VIKAS SAMITI, JHARKHAND
INDIAN BANK – IFSC Code: IDIB000D658
A/C NUMBER : 50383741155

हमारे मार्गदर्शक

क्रम	नाम	पद	पता
1	श्री गोविन्द महंत	राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री	नई दिल्ली
2	श्री रामनवमी प्रसाद	क्षेत्र प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ	विजय निकेतन, पटना
3	श्री दिलीप कुमार	प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, झारखंड	श्री निकेतन, राँची
4	श्री अशोक कु. श्रीवास्तव	अध्यक्ष, विद्या विकास समिति, झारखंड	राँची
5	श्री जेठा नाग	अध्यक्ष, जनजातीय शिक्षा समिति	राँची
6	श्री ख्याली राम	संगठन मंत्री, विद्या भारती, उत्तर पूर्व क्षेत्र	पटना
7	श्री रामअवतार नारसरिया	मंत्री, विद्या विकास समिति, झारखंड	राँची
8	श्री देवव्रत पाहन	मंत्री, जनजातीय शिक्षा समिति	राँची
9	श्री मुकेश नंदन	सचिव, विद्या विकास समिति, झारखंड	राँची
10	श्री राजीव कमल बिट्टु	कोषाध्यक्ष, वनांचल शिक्षा समिति	राँची
11	श्री सुरेश नारायण ठाकुर	सदस्य, विद्या विकास समिति, झारखंड	राँची
12	श्री संजीव अग्रवाल	सदस्य, विद्या विकास समिति, झारखंड	धनबाद
13	श्री विष्णु जालान	समाजसेवी	राँची